आभार प्रदर्शन

आभार प्रदर्शन

अविनाशिलिंगम विश्वविद्यालय, कोयम्बत्तूर के माननीय कुलाधिपति महोदय श्री. **टी. के. शंमुगानन्दम** जी, बी. ए. बी. एल, एवं कुलपति महोदया कर्नल डॉ. श्रीमती **सरोजा प्रभाकरन** जी; एम. ए., डिप. एड (मद्रास), पी. एच. डी (मदर तेरेसा) के प्रति मैं सर्वप्रथम अपना आभार प्रकट करती हूँ, जिन्होंने मुझे इस विश्वविद्यालय में एम. फिल. हिन्दी कोर्स में प्रवेश दिलाते हुए शोध कार्य करने का सुअवसर दिया। हमारी कुलसचिव महोदया डॉ. श्रीमती **गौरी रामकृष्णन** जी; एम. एस. सी (मद्रास) एम. फिल. पी. एच. डी (अविनाशिलिंगम) को भी मैं अपना आभारी प्रकट करती हूँ।

मैं हमारी संकायाध्यक्षा डॉ. श्रीमती **डी. ललिता** जी; एम. ए. डिप. एड., एम. फिल. पी. एच. डी (भारतीयार) जिन्होंने समय-समय पर सहायता प्रदान की, मैं उन्हें भी अपना आभार प्रकट करती हूँ। मैं अपनी विभाग की प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्षा डॉ. श्रीमती **शोभना कोक्काड़न** जी; एम. ए. (गांधी जी), एम. फिल (मद्रास) पी. एच. डी. (कोच्चिन) के प्रति आभारी हूँ जिनकी प्रेरणा मुझे अंत तक मिलती रही और प्रोत्साहन भी देती रही।

मैं मेरी निर्देशिका डॉ. श्रीमती **शशिप्रभा जैन** जी रीडर; एम. ए. (मद्रास) पी. एच. डी. (राँची), पी. जी. डी. टी (एस. बी. ऐ. ओ. ए) को अपना हार्दिक धन्यावाद देती हूँ जिनहोंने मेरे इस शोध कार्य के विषय-चयन में सहायता प्रदान की एवं

जिनके मार्गदर्शन ने मुझे हर कदम पर प्रोत्साहित किया है। मेरा शोध कार्य पूरा करने में आपने पूरी सहायता की एवं अपना बहुमूल्य समय प्रदान किया। उनके प्रति मैं आभारी हूँ।

अविनाशिलिंगम विश्वविद्यालय पुस्तकालय के अधिकारी गण के प्रति मैं अपना आभार प्रकट करती हूँ जिन्होंने शोध प्रबन्ध के लेखन के लिए उपयुक्त संदर्भ सामग्री प्राप्त कराने में मुझे सहयोग प्रदान किया।

केन्द्रीय पुस्तकालय, कोयम्बत्तूर के पुस्तकालयाध्यक्षा और कनिमारा पब्लिक पुस्तकालय, मद्रास के पुस्तकालयाध्यक्षा और मद्रास के दक्षिण भारत प्रचार सभा के प्रति मैं अपना आभार प्रकट करती हूँ जिन्होंने शोध प्रबन्ध के लेखन के लिए उपयुक्त संदर्भ सामग्री प्राप्त कराने में मुझे पूरा सहयोग प्रदान किया।

इसके साथ मैं अपने विभाग की प्राध्यापिका डॉ.जी. **शांति जी** के प्रति और अपनी सहेलियों के प्रति भी आभारी हूँ। जिन्होंने मुझे अपने इस शोध कार्य में हर संभव सहायता प्रदान की।

मैं 'दि हिन्दु' समाचार-पत्र कार्यालय के संवाददाता श्री. वी. एस. पलनिअप्पन जी के प्रति आभारी हूँ जिन्होंने मुझे इस शोध कार्य में कई सार्थक सुझाव दिए।

मैं श्री गौतुम सुमन जी, जो 'मंथन पत्रिका' के संपादक हैं, उनके प्रति अपना आभार प्रकट करती हूँ जिन्होंने बेझिझक अपना समय और बहुमूल्य राय प्रदान किया ।

मैं श्री भवेश कुमार गुप्ता जी, जो 'कर्मचारी भविष्य निधि संगठन' के हिन्दी अनुवादक हैं, उनके प्रति अपना आभार प्रकट करती हूँ जिन्होंने बेझिझक अपना समय और बहुमूल्य राय दी।

मैं अपने पति **के. रेन्लाड सुरेश** के प्रति अपना आभार प्रकट करती हूँ जिन्होंने मुझे इस शोध प्रबन्ध लेखन में पूरी मानसिक सहायता एवं प्रेरणा प्रदान की है। जिन्होंने कम्प्यूटर टंकण में पूरी सहायता प्रदान की उनके प्रति भी मैं अपना आभार प्रकट करती हूँ।

अंत में मैं अपने परिवार के सभी सदस्यों के प्रति आभार प्रकट करती हूँ जिन्होंने मुझे इस शोध प्रबन्ध लेखन में पूरा मानसिक सहयोग दिया।